Meeting with District's Deputy Commissioner

31 मई 2018 को जिला पलवल के डिप्टी कमीशनर कार्यालय में जिला प्रशासन अधिकारियों और जॉय ऑफ लर्निंग टीम के बीच तरक़्क़ी आई फाउण्डेशन द्वारा हथीन ब्लॉक के 10 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में क्रियान्वित जॉय ऑफ लर्निंग प्रोग्राम (Joy of Learning (JoL) Program) के सम्बन्ध में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य जॉय ऑफ लर्निंग प्रोग्रोम के अन्तर्गत अब तक किये गये कार्यो, उपलब्ध्यिों व आ रही समस्याओं के बारे में जिला प्रशासन को अवगत कराना था।

बैठक में श्री. मनीराम शर्मा (District's Deputy Commissioner), श्री. अभिनव वत्स (Chief Minister's Good Governance Associate (CMGGA)), श्री. आमिर आब्दिी (Founder Director, Tarraqi I Foundation) ज़हीर आलम (Project Manager, JoL Programme) व ज़ुबैर अहमद (Project Coordinator, JoL Programme) उपस्थित थे।

बैठक की शुरूआत में श्री. आमिर आब्दिी ने जॉय ऑफ लर्निंग प्रोग्रोम के अन्तर्गत अब तक किये गये कार्यो व उपलब्धियों के बारे में फोटो एलबम द्वारा श्री. मनीराम शर्मा और श्री. अभिनव वत्स जी को निम्न जानकारी दी।

- School Needs Assessment
- Five-day Mentor's Induction Training
- Student's Socio-Emotional Baseline Assessment
- Revision for school exams at the JoL Centres
- Community Interaction
- Household Visits
- Admission Mobilisation

इसके बाद उन्होने बताया कि किस प्रकार JoL मेन्टर्स और टीम ने शिक्षा के महत्व आदि पर सामुदायिक बैठकों का आयोजन किया व Household विज़िट के द्वारा drop out और out of school बच्चों की जानकारी एकत्र कर समुदाय में अपनी पहचान बनायी जिसके परिणाम स्वरूप अप्रेल माह तक 503 बच्चों का प्रवेश सरकारी स्कूलों में सफलता पूर्वक कराया गया है।

श्री. मनीराम शर्मा ने JoL टीम द्वारा किये गये कार्यो व उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वास्तव में आप लोग बहुत अच्छा काम कर रहे हो। जबकि श्री. अभिनव जी ने काम की प्रंशसा करते हुए जॉय ऑफ लर्निंग सेन्टर्स पर विज़िट करने की इच्छा जतायी।

इसके बाद श्री. आमिर आब्दिी ने प्रोग्राम क्रियान्वयन के दौरान फील्ड़ में आ रहे चैलेन्जेस के बारें में निम्न जानकारी दी–

1. Collaboration with government school principals and teachers
2. Speedy admission process and awareness about required documents
3. Adequate supply of water and electricity
4. Improved quality and nutrition standard of mid-day meals

उपरोक्त समस्याओं के समाधान व सपोर्ट हेतु जिला डिप्टी कमीशनर, श्री. मनीराम शर्मा को एक लेटर भी प्रस्तुत किया। जिस पर श्री. मनीराम शर्मा ने कहा कि आप लोग अच्छा काम कर रहे हो और जिला प्रशासन आपकी हर सम्भव सपोर्ट करेगा।

Report on Govt. Officer's visit at JoL center, Buraka & Swamika

Introduction:-

1 जून 2018 को जिला प्रशासन की तरफ से एक टीम ने हथीन ब्लॉक के बुराका और स्वामीका गांव के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में चल रहे जॉय ऑफ लर्निंग सेन्टर्स पर विज़िट की। जिसमें श्री. अभिनव वत्स (Chief Minister's Good Governance Associate (CMGGA)), श्री. रमेश चन्द्र शर्मा (उप जिला शिक्षा अधिकारी) और अशोक कुमार बघेल (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, पलवल) शामिल थे। इस विज़िट का उद्देश्य जॉय ऑफ लर्निंग प्रोग्राम के बारे में जानना व उसके बारे में समझना था।

विज़िट की शुरूआत में JoL मेन्टर्स द्वारा JoL सेन्टर्स, बुराका में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें जिला प्रशासन टीम के साथ–साथ ज़हीर आलम (Project Manager, JoL Programme) व ज़ुबैर अहमद (Project Coordinator, JoL Programme) व JoL मेन्टर्स उपस्थित थे। इस मीटिंग में बुराका गांव की लगभग 20 लड़कियों ने व 6 महिलाओं ने भी भागदारी की। यह सभी वो लड़कियां हैं जो किन्ही कारणों से ड्रॉप आउट व आउट ऑफ स्कूल थी लेकिन JoL मेन्टर्स के समझाने से इनके अन्दर पढ़ने की इच्छा जगी और अब ये सभी लड़कियां JoL सेन्टर पर पढ़ने के लिए आती हैं।

Activities:-

मीटिंग की शुरूआत में ज़हीर आलम नें सभी प्रशासनिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय कराया। इसके बाद JoL सेन्टर पर 10वीं कक्षा की तैयारी के लिये आ रही एक ड्रॉप आउट लड़की ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद उपजिला अधिकारी श्री. रमेश चन्द्र शर्मा ने मीटिंग में उपस्थित सभी लोगों से अपना परिचय देने के लिए कहा। सर्वप्रथम लड़कियों ने अपना परिचय दिया इसके बाद JoL टीम ने अपना परिचय देते हुए अपनी शैक्षिक योग्यता व पद के बारे में बताया। जिसको जानकर सभी अधिकारियों काफी प्रसन्न हुए व पूरी टीम की हौंसना अफज़ाई की।

परिचय के बाद श्री. रमेश चन्द्र शर्मा ने लड़कियों की शिक्षा पर जोर देते हुए शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। मीटिंग में उपस्थित लड़कियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होने कहा कि बेटी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह बहुत प्रंशसनीय है कि आप सभी फिर से पढ़ना चाहती हो आप सब को इस गांव के लिए एक रोल मॉडल बनना है और उन सभी को गलत साबित करना है जो आपको और परिवार के लोगों कों लड़कियों की शिक्षा के समबन्ध में बहकाने का काम करते हैं। आगे उन्होने कहा कि हमेशा अपना आचरण अच्छा रखना यदि हम अपना आचरण सही रखेगें तो कोई भी हम पर ऊंगली नही उठा सकता और आपका सही आचरण अन्य लड़कियों के लिए भी शिक्षा के रास्ते खोलेगा। इसके बाद उन्होने उन्होने बताया कि पिछले साल स्कूलों द्वारा, जिला शिक्षा विभाग को जो डाटा प्रस्तुत किया

गया था उसके अर्न्तगत पलवल जिले में सिर्फ 267 बच्चे आउट ऑफ स्कूल थे लेकिन विभाग की जानकारी के अनुसार इस साल पलवल जिले में लगभग 16 हजार बच्चे आउट ऑफ स्कूल हैं। आपकी टीम ने 500 से ज़्यादा बच्चों को सरकारी स्कूलों से जोड़ा है तो ये आपकी टीम की बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस पर मेन्टर्स ने बताया कि यह डाटा और ज़्यादा हो सकता था लेकिन स्कूल वाले अभिभावकों से प्रवेश के समय अलग–अलग कागजो की डिमांड करते हैं जिसकी वजह से बहुत से बच्चे प्रवेश नही ले सके। इस पर श्री. रमेश चन्द्र शर्मा ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RtE Act) के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि स्कूलों में एडमिशन के सम्बन्ध में किसी भी तरह की समस्या आये तो आप मुझे तुरन्त फोन करके बताये आपकी समस्या का समाधान होगा और फिर उन्होने सभी के साथ अपना मोबाइल नम्बर साझा किया। साथ ही उन्होनें मेन्टर्स द्वारा जिन बच्चों का सरकारी स्कूलों में प्रवेश कराया गया है उनकी डिटेल्स विभाग के साथ साझा करने का अनुरोध किया।

इसके बात श्री. अशोक कुमार बघेल (खंड शिक्षा अधिकारी, पलवल) ने तालीम की अहमियत के बारे में बताते हुए कहा कि आज तालीम के द्वारा ही हम अपने हालात बदल सकते है। उन्होने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं भी ग्रामीण पृष्ठभूमि से हूँ और आपके बीच से निकल कर ही यहां तक पहुंचा हूँ इसलिए मैं भलीं भांति अपकी समस्याओं को समझ सकता हूँ। और ये बड़ी खुशी और गौरव की बात है कि आप सभी में एक इच्छाशक्ति है और आप सभी पढ़ लिख कर कुछ करना चाहते हों। इसके लिए आप सभी और JoL टीम बधाई की पात्र है।

मीटिंग के अन्त में श्री. अभिनव वत्स जी ने JoL टीम के कार्यों की प्रंशसा करते हुए अपनी बात रखी कहा कि आज मैंने एक चीज महसूस की जो आप सभी में समानरूप से है और वो है कुछ अच्छा करने की जिज्ञासा। आप सभी में समाज के लिए कुछ करने की चाहत व ज़ज्बा है जो हर किसी के पास नही होता इसलिए ये तो इतनी गर्मी में भी आप सब लोग पूरे जोश के साथ यहां उपस्थित हो। मीटिंग में उपस्थित सभी लड़कियों और मेन्टर्स ने स्कूलों में बिजली की समस्या से अवगत कराते हुए व्यवस्था को सुचारू करने को कहा। श्री. रमेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि शिक्षा विभाग में स्कूलों की बिजली के बिल का सालाना बजट मात्र 1400 रूपये है। इस पर उन्होने इस समस्या के समाधान हेतु अन्य विकल्प निकालने का आश्वासन दिया। अन्त में उन्होने सभी के साथ अपना मोबाइल नम्बर साझा करते हुए कहा कि आपको स्कूल से सम्बन्धित कोई परेशानी आती है तो आप मुझ से सीधा सम्पर्क करें। उन्होने अपनी तरफ से पूरा सपोर्ट करने का आश्वासन दिया। अन्त में ज़हीर आलम ने सभी का धन्यवाद कर मीटिंग समाप्त की।

मीटिंग के बाद आये हुए अधिकारियों ने गांव स्वामिका के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में संचालित जॉय ऑफ लर्निंग सेन्टर पर भी विज़िट की और डॉक्यूमेन्टशन को देखा व चर्चा करते हुए डॉक्यूमेन्टशन की प्रंशसा की साथ ही उन्होने यह भी सुझाव दिया कि इस प्रोग्राम को अन्य स्कूलों में कियान्वित किया जाना चाहिए। बच्चों के लर्निंग लेवल के सम्बन्ध में श्री. अभिनव वत्स जी ने मालूम किया कि बच्चों के लर्निंग लेवल को आप किस तरह समझते हो, इस पर JoL टीम द्वारा जानकारी दी गयी कि बच्चों के लर्निंग लेवल को समझने के लिए हमारी टीम ने विषय सम्बन्धित टूल्स तैयार किये गये हैं जिन्हे गर्मियों की छुट्टियों के बाद कक्षा में बच्चों के साथ प्रयोग कर बच्चों के लर्निंग लेवल को समझा जायेगा। इस पर श्री. अभिनव वत्स जी ने सुझाव दिया कि ब्लॉक लेवल पर हमारे पास बच्चों के लर्निंग लेवल से सम्बन्धित एक डाटा शीट होती है जो इस सम्बन्ध में आपके लिये काफी सहायक सिद्ध होगी।

JoL सेन्टर्स की प्रशंसा करते हुए उन्होने कहा कि आप लोगों ने बहुत अच्छी तरह से सेन्टर्स को सजा कर चाइल्ड फ्रेन्डली बना रखा है। भविष्य के लिये शुभकामनायें देकर सभी अधिकारी वापस लौट गये।

जॉय ऑफ लर्निंग प्रोग्राम के अर्न्तगत किये गये कार्यो व उपलब्धियों के समबन्ध में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सभी मेन्टर्स व JoL टीम की सराहना व प्रंशसा करने तथा किसी भी समस्या के समाधान के आश्वासन से सभी मेन्टर्स बहुत खुश थे और पूरे उत्साह के साथ कार्य करने के लिये तैयार थे।

समाप्त